ज्ञान दृष्टि

भारतीय रेलवे

अप्रैल 2020 अंक 3 संकलन– शशिधर उज्ज्वल

प्रिय पाठकों,

'**ज्ञान दृष्टि**' का यह अंक 'भारतीय रेल' आपके समक्ष प्रस्तुत है। 'टीचर्स ऑफ बिहार' '**ज्ञान दृष्टि**' के माध्यम से पाठ्यचर्या से जुड़ी किसी एक खास टॉपिक पर आपका ज्ञानवर्द्धन तथा रोचक तथ्यों को प्रस्तुत करने को प्रयासरत है। उम्मीद है यह अंक बच्चों और पाठकों के ज्ञानवर्द्धन में मददगार सिद्ध होगा।

देश के सामाजिक–आर्थिक विकास में भारतीय रेल की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारतीय रेल भारत को एकता के एक सूत्र में पिरोने का कार्य करती है। यह भारत की संस्कृति, सर्वधर्म सम्भाव, अनेकता में एकता, अखण्डता, देश की आर्थिक, सामाजिक, ऐतिहासिक परिस्थितियों में भारत की झलक प्रस्तुत करती है। इसी कारण तो भारतीय रेल को **'भारत की जीवनरेखा'** भी कहते हैं।

भारत में पहली यात्री रेल 16 अप्रैल 1853 को मुम्बई से ठाणे के बीच चली थी। इस दिवस (16 अप्रैल) को भारतीय रेल परिवहन दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारतीय रेल के बारे में सूचनाएं एवं जानकारियां अनेक रोचक उदाहरणों से भरी पड़ी है। तो आइये, इस अवसर पर हम भारतीय रेल के बारे में कुछ रोचक तथ्यों या जानकारियों पर चर्चा करते हैं। आप चाहें तो इसे अपनी पाठ्यपुस्तक के यातायात के साधन अध्याय से जोड़कर भी देख सकते हैं।

आपने फिल्म 'ज़ालिम' (1994) का एक गाना 'बम्बई से रेल चली...' को सुना होगा। जी, तो भारत की पहली पैसेंजर ट्रेन सच में बम्बई से ही चली थी। भारत देश में पहली बार 22 दिसम्बर 1851 को रेलगाड़ी पटरी पर उतरी थी। इस प्रथम रेलगाड़ी का इंजन 'फॉकलैण्ड' नामक एक भाप इंजन था, जो कि इंग्लैंड से मंगाया गया था। भारत की पहली यात्री रेल ने 16 अप्रैल 1853 को मुम्बई से ठाणे के बीच 33.81 किलोमीटर (21 मील) की दूरी 57 मिनट में तय की थी। यह 15:35 (सायं 3:35) बजे एक विशाल जनसमूह की करतल ध्वनि और 21 तोपों की सलामी के बीच बोरीबंदर, मुम्बई (अब छत्रपति शिवाजी टर्मिनल) से ठाणे के लिये चली थी। इसमें 14 बोगियां थी और 400 यात्रियों ने सवारी किया था। इस प्रथम रेलगाड़ी का नाम 'ब्लैक ब्यूटी' था। मुम्बई–ठाणे के बीच रेलवे लाइन का निर्माण ग्रेट इंडिया पेनीसुला रेलवे कंपनी ने किया था।

वर्तमान में भारतीय रेल एशिया का सबसे बड़ा और एक प्रणाली प्रबंधन के तौर पर विश्व का दूसरा बड़ा नेटवर्क है। इसके पास 67415 किलोमीटर लंबा रेलमार्ग है, जिसमें बड़ी लाईन (62891 किलोमीटर), मीटर गेज लाईन (2839 किलोमीटर) और छोटी लाईन (1685 किलोमीटर) शामिल है। भारतीय रेल के स्टेशनों की संख्या 7,321 है। भारत में 39 भाप इंजन, 6049 डीजल इंजन और 6059 विद्युत रेल इंजन चलायमान हैं। भारतीय रेल प्रतिदिन 13,523 रेलगाड़ियों का संचालन करती है तथा कुल 779. 24 मिलियन किमी. की दूरी प्रतिदिन तय करती है। **–भारतीय रेलः वार्षिकी 2018–2019 (रेल मंत्रालय) पर आधारित तथ्य**

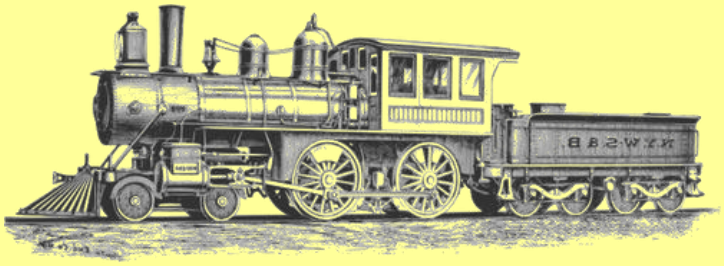

ईस्ट इंडिया में प्रथम यात्री गाड़ी 15 अगस्त 1854 को 24 मील की दूरी तय करते हुए हावड़ा से हुगली स्टेशनों के बीच चलाई गयी। दक्षिण भारत में पहली रेल लाइन 1 जुलाई 1856 को मद्रास रेलवे कंपनी ने चालू की। इस लाइन पर 63 मील की दूरी तय करते हुए वयासरपंडी और वालाजाह रोड (आर्कोट) के बीच पहली रेलगाड़ी चली। उत्तर भारत में 3 मार्च 1859 को इलाहाबाद से कानपुर के बीच 119 मील की दूरी तक पहली रेल लाइन बिछाई गई। 19 नवम्बर 1875 को हाथरस रोड और मथुरा कैंटोमेंट के बीच पहला सेक्शन यातायात के लिए खोला गया।

भारतीय रेलगाड़ियां चार प्रकार की होती हैं– लोकल ट्रेन, एक्सप्रेस ट्रेन, पूर्णतः वातानुकुलित एक्सप्रेस ट्रेन तथा उपनगरीय ट्रेन। आइये, अब हम भारत में चलने वाले विभिन्न प्रकार के ट्रेनों से अवगत होते हैं।

विभिन्न प्रकार की रेलगाड़ियां

1. **लोकल रेलगाड़ी–** यह जनसामान्य के लिए दैनिक रूप से चलने वाली रेलगाड़ियां हैं। यह सभी स्टेशनों तथा छोट–छोटे हॉल्टों भी पर रूकती है। इसकी गति कम होती है। इसका किराया भी बहुत कम होता है। यह कम दूरी तक चलती है। यह ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से जोड़ती है।
2. **फास्ट पैसेंजर ट्रेन–** कुछ लोकल रेलगाड़ियां, कुछ छोटे स्टेशनों पर नहीं रूकती है तथा अपेक्षाकृत अधिक गति से चलती है, ऐसी रेलगाड़ियां फास्ट पैसेंजर ट्रेन कहलाती है।
3. **इंटर सिटी ट्रेन–** यह ट्रेन किसी महत्वपूर्ण शहरों को आपस में जोड़ती हैं। इसे दैनिक यात्रियों के आवागमन के उद्देश्य से चलायी जाती है। जैसे– पटना–भभुआ इंटरसिटी एक्सप्रेस, बिहार की राजधानी पटना को जहानाबाद, गया, डेहरी, सासाराम और कैमूर से जोड़ती है।
4. **एक्सप्रेस रेलगाड़ी–** यह रेलगाड़ी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रूकती है तथा तेज गति से चलती है। इसमें अनेक श्रेणियों वाले कोच यथा– वातानुकूलित, शयनयान, पैंट्रीकार, मेल कोच, सामान्य कोच आदि लगे होते हैं।
5. **लिंक एक्सप्रेस–** यह रेलगाड़ी दो भिन्न मार्गों से आने वाली कोचों को एक साथ जोड़ कर बनायी जाती है, जिसका लक्ष्य स्टेशन एक होता है। जैसे– पटना–सिंगरौली लिंक एक्सप्रेस।
6. **सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलगाड़ी–** नाम से ही स्पष्ट है कि यह एक्सप्रेस ट्रेन के मुकाबले तीव्र गति से चलती है तथा यह गाड़ी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर ही रूकती है। इसकी गति बड़ी लाइन पर 55 किमी./घंटा से अधिक होती है तथा मीटर गेज में इसकी गति 45 किमी./घंटा होती है। इस रेलगाड़ी में किराये के अतिरिक्त सुपरफास्ट चार्ज भी लगता है।
7. **मेल रेलगाड़ी–** आपने हावड़ा–मुम्बई मेल रेलगाड़ी का नाम सुना होगा। इस प्रकार के रेलगाड़ी में यात्री कोचों के साथ–साथ एक कोच मेल अर्थात् डाक ढोने वाला भी होता है।
8. **शताब्दी एक्सप्रेस–** यह देश के बड़े नगरों के बीच चलने वाली पूर्णतः वातानुकुलित रेलगाड़ी है जिसमें विभिन्न प्रकार के कुर्सीयान वाले कोच लगते हैं। इसमें यात्रियों को नाश्ता/खाना दिया जाता है।

9. **जनशताब्दी एक्सप्रेस–** यह कुछ महानगरों के बीच चलने वाली एक्सप्रेस रेलगाड़ी है जो शताब्दी एक्सप्रेस के तर्ज पर चलायी जाती है। इसमें वातानुकूलित तथा गैर–वातानुकूलित दोनों प्रकार के कोच लगाये जाते हैं।
10. **दुरंतो एक्सप्रेस–** यह रेलगाड़ी देश के महानगरों के बीच तथा राज्य की राजधानियों के बीच बिना रूके हुये चलने वाली रेलगाड़ी है। इसे बीच में कुछ स्टेशनों पर केवल गार्ड और ड्राइवर (लोको पायलट) बदलने हेतु रोका जाता है। जैसे– नई–दिल्ली सियालदह दुरंतो एक्सप्रेस।
11. **सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस–** यह रेलगाड़ी देश की राजधानी नई दिल्ली को विभिन्न राज्यों के महानगरों को जोड़ती है। दूरंतो एक्सप्रेस की तरह यह भी नॉन–स्टॉप चलती है। इसे बीच में

कुछ स्टेशनों पर केवल गार्ड और ड्राइवर (लोको पायलट) बदलने हेतु रोका जाता है।

12. **राजधानी एक्सप्रेस–** देश की राजधानी दिल्ली को देश के अन्य बड़े नगरों तथा राज्य के राजधानियों के बीच तीव्र गति से चलने वाली रेलगाड़ी है। यह पूर्णतः वातानुकूलित होती है। इसमें यात्रियों को नाश्ता/खाना भी दिया जाता है। इसकी गति 130 किमी./घंटा तक होती है। यह देश की सबसे प्रतिष्ठित रेलगाड़ी है।
13. **गरीब रथ एक्सप्रेस–** यह पूर्णतः वातानुकूलित रेलगाड़ी है। इसका किराया शताब्दी या राजधानी से कुछ कम होता है जिससे कि इसमें गरीब लोग भी यात्रा कर सकें। इसलिए इसे गरीब रथ कहा जाता है। इसकी गति 130 किमी/घंटा तक होती है।
14. **स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस–** भारत की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती यानी 50वीं वर्षगांठ (1997 ई0) के अवसर पर चलायी गई विभिन्न एक्सप्रेसों के नाम को स्वर्णजयंती एक्सप्रेस रखा गया। जैसे– झारखंड स्वर्णजयंती एक्सप्रेस।
15. **डबल डेकर वातानुकुलित एक्सप्रेस–** इस विशेष रेलगाड़ी में इसके डबल डेकर वाले वातानुकूलित कुर्सीयान होते हैं। इसकी गति काफी तेज होती है। इसे मुम्बई सेन्ट्रल–अहमदाबाद, हावड़ा–धनबाद, दिल्ली सराय रोहिल्ला–जयपुर के बीच चलाया जा रहा है तथा शीघ्र ही भोपाल–इंदौर, चेन्नई–बेंगलुरू के बीच भी चलाया जायेगा।

16. **स्पेशल ट्रेन–** कुछ रेलगाड़ियां पर्व–त्योहारों, मेले के अवसर पर विशेष रूप से चलाई जाती है, उसे स्पेशल ट्रेन का नाम दिया जाता है।
17. **मेट्रो रेल–** इस प्रकार की रेलगाड़ी दिल्ली–नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलूर, हैदराबाद, चेन्नई जैसी शहरीय यातायात व्यवस्था को संभालने के लिये चलायी जाती है।
18. **मेट्रो ट्रेन–** महानगरों में चलने वाली रेलगाड़ियां जो मुख्यतः उस महानगर के यात्रियों को लाने–ले जाने का कार्य करती है, उन्हें मेट्रो ट्रेन कहते हैं। यह भूमिगत या सतह पर चलने वाली या उत्थापित प्रकार की होती है।

19. **मोनो रेल–** यह एक ऐसी रेलगाड़ी है जिसमें कोच या कार को सीमेंट, कंक्रीट के बने बीम के ऊपर चलाया जाता है अथवा इसे बीम से लटकाकर चलाया जाता है।
20. **मेमु ट्रेन–** यह मुख्य विद्युतीकृत रेलमार्गों पर चलने वाली Main line Electric Multiple Unit (MEMU) रेलगाड़ी होती है।

21. **डेमु ट्रेन–** यह गैर–विद्युतीकृत मार्गों पर चलाया जाने वाला रेलगाड़ी है जिसे Diesel Electric Multiple Unit (DEMU) कहा जाता है।
22. **ट्राम–** आपने कोलकाता में सड़कों पर बनी रेलवे ट्रैक पर धीमी गति से चलती ट्रेनों को देखा होगा। इसमें बस के आकार के दो या तीन डिब्बे होते हैं। जो रेल इंजनों की तरह दोनों तरफ से चलायी जा सकती है।
23. **स्टीम ट्रेन–** स्टीम गाड़ियों के प्रति उत्साही पर्यटकों के लिए रेवाड़ी में ठहराव के साथ दिल्ली से अलवर तक की स्टीम ट्रेन 'फेयरी क्वीन' चलाई जाती है। यह मांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष सितम्बर–अक्टूबर से अगले वर्ष मार्च–अप्रैल के दौरान चलायी जाती है। 'फेयरी क्वीन' दुनिया का सबसे पुराना इंजन है, जो अभी भी दौड़ता है। इसका नाम वर्ल्ड गिनीज बुक ऑफ रिकार्ड में शामिल है।

भारतीय रेल की यात्री रेलगाड़ियां तीनों प्रकार– बड़ी लाइन, मीटर गेज लाइन तथा नैरो गेज लाइन की गेजों पर चलती हैं। भारतीय रेल के गेज–

1. नैरो गेज– (अ) छोटी लाइन– चौड़ाई 2 फीट 6 इंच (0.762 मी.) (ब) फीडर लाइन– चौड़ाई 2 फीट (0.610 मी.)
2. मीटर गेज– चौड़ाई 3 फीट $3\frac{3}{8}$ इंच (1 मीटर)
3. ब्रॉड गेज – चौड़ाई 5 फीट 6 इंच (1.676 मीटर)

पर्यटन रेलगाड़ियां

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष रूप से पर्यटकों को ध्यान में रखकर चलायी जाने वाली रेलगाड़ी पर्यटन रेलगाड़ी कहलाती है।

1. **महाराजा एक्सप्रेस–** राजस्थान के राजा–महाराजाओं के सैलून के तर्ज पर बनी इस रेलगाड़ी की शुरूआत 9 जनवरी 2010 को हुई थी। इस ट्रेन को आई.आर.सी.टी.सी. नई दिल्ली द्वारा सितम्बर–अक्टूबर से अगले वर्ष मार्च–अप्रैल तक चलायी जाती है। इस गाड़ी में 4 प्रकार के केबिन होते हैं, जिनमें कुल 88 अतिथि यात्रा कर सकते हैं। यह अत्याधुनिक तथा शान–शौकत से भरपूर सबसे लम्बी पर्यटन रेलगाड़ी है। इस गाड़ी के हरेक कक्ष में हेयर ड्रायर, बाथटब, टीवी, इंटरनेट जैसे सुविधाएं उपलब्ध हैं।

2. **पैलेस ऑन व्हील्स–** इसकी शुरूआत 26 जनवरी 1982 को हुई थी। तब यह मीटर गेज पर चला करती थी। अंतिम बार 8 सितम्बर 1993 को चलाये जाने के बाद इसे बंद कर दिया गया। बाद में जनवरी 1995 ई0 से बड़ी लाइन पर बेहतर सुख–सुविधाओं और साज–सज्जाओं के साथ फिर से चलाया जा रहा है। इसमें 'महाराजा' और 'महारानी' नामक दो विशेष रेस्तरां हैं जिनमें अद्वितीय भारतीय, कांटिनेंटल और राजस्थानी व्यंजन परोसे जाते हैं। इस ट्रेन को सितम्बर–अक्टूबर से अगले वर्ष मार्च–अप्रैल तक चलायी जाती है।

3. **स्वर्णरथः द गोल्डन चैरियट–** इसकी शुरूआत 2 फरवरी 2008 में हुई थी। यह दक्षिण भारत की प्रथम पर्यटन रेलगाड़ी है। यह रेलगाड़ी बेंगलुरू–मैसूर, हासन, होसपेट, बादामी, गोवा, की सैर कराती है। जबकि इसकी दूसरी गाड़ी बेंगलुरू, चेन्नई, पुदुच्चेरी, तंजाऊर, मदुरै, नागरकोइल, तिरूवनंतपुरम, एर्णाकुलम की यात्रा कराती है।

4. **रॉयल राजस्थान ऑन व्हील्स–** इसकी शुरूआत 11 जनवरी 2009 को हुई थी। भारतीय रेल राजस्थान पर्यटन विकास निगम के सहयोग से यह गाड़ी चलाती है। इसके द्वारा आप दिल्ली, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, सवाई माधोपुर, जयपुर, खजुराहो, वाराणसी और आगरा का आनंद ले सकते हैं।

5. **डेक्कन ओडिसी–** इसकी शुरूआत 2004 में हुई थी। यह अति सुसज्जित रेलगाड़ी शांत समुद्री तट, भव्य किले एवं राजमहल तथा मुम्बई, भुसावल, उदयपुर, सबाई माधोपुर, जयपुर, भरतपुर, आगरा, दिल्ली की यात्रा का आनंद प्रदान करती है।

पर्वतीय रेलगाड़ियां

पहाड़ी ढलानों पर प्रकृति सौंदर्य का दर्शन भला कौन नहीं करना चाहता? अतः पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन को विकसित करने के उद्देश्य से कुछ स्थानों पर विशेष रेलगाड़ियां चलायी जाती है जिसे पर्वतीय रेलगाड़ियां कहते हैं। गर्मी की छुट्टियों में यदि आप ठंडे पर्वतीय स्थानों पर जाना चाहते हैं तो आपके लिए ये पाँच स्थान रोमांचकारी हो सकते हैं।

1. **दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे–** न्यू जलपाईगुड़ी से दार्जिलिंग तक 87.48 किमी. लम्बी मार्ग पर नैरो गेज पर चलने वाली वाली यह एक सुविख्यात पर्वतीय टॉय ट्रेन 7 घंटे में अपनी तय करती है। इसकी शुरूआत सिलीगुड़ी–सुकना खंड के साथ जून 1879 में हुई थी। बाद में सिलिगुड़ी–दार्जिलिंग खंड को 1885 में तथा सिलिगुड़ी से न्यू जलपाईगुड़ी नैरो रेल गेज खंड को अप्रैल 1964 में खोला गया था। हिमालय का संपूर्ण गौरव, मंद मंद हवाओं में झूलते हुए आर्किड के फूल के पौधे और चाय के हरे भरे बगान, दार्जिलिंग (समुद्र तल से 2127 मीटर ऊँचा) के ये रोमांचकारी प्राकृतिक दृश्य के आनन्द का अनुभव कराते हैं। इस रेल मार्ग पर अवस्थित 'घूम' रेलवे स्टेशन भारत एवं एशिया का सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित नैरो गेज स्टेशन है। यहां विश्व का सबसे बड़ा नैरो लूप 'बतासिया लूप' स्थित है। दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे को सन् 1999 में को वर्ल्ड हेरिटेज का दर्जा मिल चुका है।

2. **नीलगिरी माउंटन रेलवे–** तमिलनाडु की नीलगिरी पहाड़ियों के बीच यह गाड़ी मुट्टूपालयम से उदगमंडलम (ऊटी) के बीच घुमावदार और चक्करदार मोड़ों से भरी रास्ते पर 46 किमी. की यात्रा साढ़े चार घंटे में पूरी करती है। इसकी शुरूआत 15 जून 1899 को हुई थी। 16 सुरंगों और लंबे गर्डर पुलों के साथ मनोरम दृश्य उत्पन्न करने वाली प्रकृति तथा पहाड़ों के बीच यह गाड़ी दुर्गम यात्रा करती है। इसे 15 जुलाई 2005 को विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त हो चुका है। इसका अंतिम रेलवे स्टेशन उद्गमंडलम भारत एवं एशिया का सबसे ऊँचा मीटर गेज रेलवे स्टेशन है।

3. **कालका–शिमला रेलवे–** कालका से शिमला तक 96 किमी. की यात्रा 6 घंटे में पूरी करती है। कालका से शिमला तक इस टॉय ट्रेन की यात्रा 107 सुरंगों और ऊँचे मेहराबदार पुलों, 919 वक्र से होकर गुजरती है। इस रेलगाड़ी की शुरूआत 9 नवम्बर 1903 को हुई थी। इस पर चलने वाली प्रथम नैरो गेज सुपरफास्ट एक्सप्रेस 'शिवालिक एक्सप्रेस' है। इसे 2008 में विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त हो चुका है।

4. **कांगड़ा घाटी रेलवे–** यह पठानकोट से जोगिन्दरनगर (हिमाचल प्रदेश) के बीच 164 किमी. लम्बी रेलमार्ग है। इस रेल मार्ग पर प्रथम रेलगाड़ी 1 अप्रैल 1929 को चली थी।

5. **नेराल–माथेरन रेलवे–** यह नेराल से माथेरान तक 21 किमी. लम्बी रेलमार्ग है। इसकी शुरूआत 1907 में हुई थी।

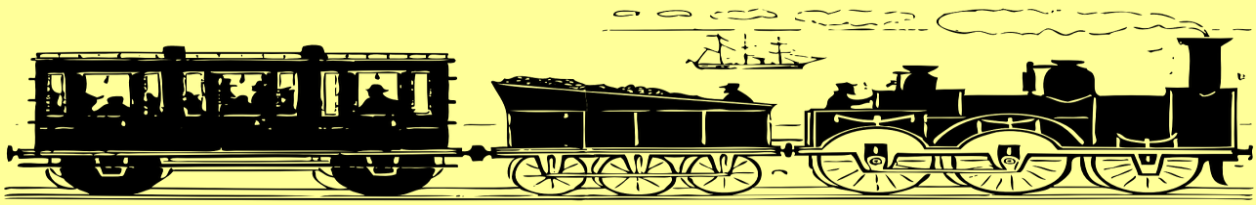

इसके अलावे कुछ अन्य प्रकार की गाड़ियां भी भारतीय रेल द्वारा चलाई जाती है।

लाइफलाइन एक्सप्रेस

जीवनरेखा एक्सप्रेस या लाइफलाइन एक्सप्रेस की शुरूआत 16 जुलाई 1991 ई0 को हुई थी। यह विश्व की पहली चलती–फिरती एक अस्पताल ट्रेन है। इस पर शल्य चिकित्सा द्वारा मोतियाबिन्द, दन्त विकार, क्लेट होंठ की सर्जरी, श्रवण संबंधी विकार, अस्थिदिव्यांगता जैसी रोगों के उपचार की सुविधा है।

- **बौद्ध स्पेशल ट्रेन–** बौद्ध सर्किट स्पेशल गाड़ी (महापरिनिर्वाण एक्सप्रेस) भगवान बुद्ध के जीवन से संबंधित बड़े स्थलों के दर्शन कराता है। यह यात्रा दिल्ली से शुरू होता है और बोधगया, राजगीर, नालंदा, वाराणसी, सारनाथ, कुशीनगर, लुम्बिनी, श्रावस्ती और आगरा को होत हुए नई दिल्ली में समाप्त होता है।

- **भारत दर्शन गाड़ियां–** यह विशेष गाड़ी आम आदमी को कम खर्च पर देश में पर्यटन/धार्मिक/ऐतिहासिक महत्व के स्थलों की यात्रा कराता है। इस पैकेज में किफायती दरों पर रेल यात्रा, स्थानिय परिवहन, भोजन तथा दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराना शामिल है। यह गाड़ी मांग के अनुसार समय–समय पर अलग–अलग मार्गों पर पूरे वर्ष चलाई जाती है।

- **राज्य विशेष पर्यटक ट्रेनें–** आईआरसीटीसी के साथ मिलकर भारतीय रेल कुछ राज्यों यथा– मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, पंजाब, उड़ीसा और उत्तरप्रदेश की ओर से विशेष पर्यटन गाड़ियां भी संचालित करती है। ये गाड़ियां देश के विभिन्न धार्मिक स्थलों यथाः वैष्णों देवी, अजमेर, शिरडी, तिरुपति, रामेश्वरम, द्वारका, सोमनाथ, अमृतसर, श्रवणबेलगोला इत्यादि के लिए चलायी जाती है।

चिकित्सा राहत ट्रेन– आपने कोविड–19 से बचाव के लिए खास तौर पर तैयार किया गया चिकित्सा सेवा हेतु ट्रेन के बारे में जरूर सुना होगा। इसी प्रकार, भारतीय रेल आपदा तथा दुर्घटनाओं के समय तत्काल चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु एक विशेष चिकित्सा यान तैयार रखती है जिसमें आवश्यक दवायें, सामग्री रखी होती है। आवश्यकता पड़ने पर तुरंत रेलवे के विभागीय डॉक्टर्स, कर्मचारी को इस ट्रेन से सहायता के लिए पहुँचाया जाता है।

- **तीर्थयात्री विशेष गाड़ियां–** इन गाड़ियों को भारत दर्शन गाड़ियों के तर्ज पर ही देवी सर्किट, ज्योतिर्लिंग सर्किट, जैन सर्किट, सूफी सर्किट, सिक्ख सर्किट, बौद्ध सर्किट, प्रसिद्ध मंदिर सर्किट आदि जैसे विशेष तीर्थयात्री सर्किटों पर शुरू किया जाता है। इन्हे मांग के आधार पर पूरे वर्ष संचालित किया जाता है।

पड़ोसी देशों के साथ चलने वाली रेलगाड़ियां–

1. **पाकिस्तान के साथ–** भारत और पाकिस्तान के बीच समझौता एक्सप्रेस तथा थार एक्सप्रेस चला करती है।
   (अ) **समझौता एक्सप्रेस** सर्वप्रथम 22 जुलाई 1976 को इंडो पाक एक्सप्रेस के नाम से शुरू हुई थी। दोनो देशों के बीच तनाव के कारण रेल सेवा चार बार स्थगित भी हो चुकी है। यह रेलगाड़ी अमृतसर के पास भारत के अटारी स्टेशन से पाकिस्तान के बाघा रेलवे स्टेशन से होती हुई लाहौर तक चलती है।
   (ब) **थार एक्सप्रेस** भारत के जोधपुर से मुनाबाव होते हुए पाकिस्तान के खोखरापार तक चलती है। इसकी शुरूआत 18 फरवरी 2006 को हुई थी।

2. **बांग्लादेश के साथ–** भारत और बांग्लादेश के बीच मैत्री (बंगाली में मोयत्री) एक्सप्रेस (अंग्रेजी में फ्रेंडशिप एक्सप्रेस) चलती है। इसकी शुरूआत 14 अप्रैल 2008 को हुई थी। यह रेलगाड़ी कोलकाता के सियालदह स्टेशन से बांग्लादेश के ढाका स्टेशन कैंटोनमेंट तक जाती है।

3. **नेपाल एक्सप्रेस–** भारत और नेपाल के बीच नेपाल रेलवे द्वारा यात्री रेलगाड़ियां चलती हैं। यह नैरो गेज यात्री रेलगाड़ी बिहार के मधुबनी के पास जयनगर से जनकपुर के बीच चलती है। इस रेलवे लाइन को 1933 में शुरू किया गया था।

भारतीय रेल के रोचक तथ्य–

1. स्वतंत्र भारत का प्रथम रेल बजट 20 नवम्बर 1947 को यातायात मंत्री डॉ. जॉन मथाई द्वारा पेश किया गया था, जो एक जनवरी 1948 को लागू हुआ था।
2. वर्ष 1890 में भारतीय रेलवे अधिनियम पारित किया गया।
3. रेलवे बोर्ड की स्थापना 1901 में की गई थी।
4. वर्ष 1936 में यात्री डिब्बों को वातानुकूलित बनाया गया।
5. भारतीय रेलवे का शुभंकर हरी बत्ती वाली लालटेन उठाए एक हाथी (भालू गार्ड) है। रेलवे के 150 वर्ष पूरे होने पर 2003 में इसे जारी किया गया था।
6. भारतीय रेलवे का राष्ट्रीयकरण वर्ष 1950 में हुआ था।
7. वर्ष 1952 में छह जोनों के साथ जोनल सिस्टम शुरू होकर वर्तमान में 17 जोन हैं।
8. दुनिया का सबसे लंबा रेलवे प्लेटफॉर्म खड़गपुर रेलवे स्टेशन है जो 1072 मीटर लंबा है।
9. 1974 में हुई भारतीय रेलवे की हड़ताल अब तक की सबसे बड़ी हड़ताल मानी जाती है। यह हड़ताल 20 दिन चली थी। 1974 के पश्चात् रेलवे में कोई हड़ताल नहीं हुई है।
10. 2020 में पहली बार भारतीय यात्री रेल को जनसामान्य के लिये इतनी लंबी अवधि के लिये बंद किया गया है।
11. वर्ष 1977 में पर्यटन, शिक्षा, मनोरंजन, धरोहर के संरक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए राष्ट्रीय रेल संग्रहालय खोला गया।
12. भारतीय रेल में तृतीय श्रेणी 1974 से समाप्त कर दिया गया।
13. महाराष्ट्र में श्री राम और बलराम दो स्टेशन एक ही रूट पर हैं। दोनो स्टेशन एक ही ट्रैक के दो तरफ एक–दूसरे के सामने स्थित हैं।

14. भारत का पहला इंटीग्रल कोच फैक्ट्री पेराम्बुर में है। भारत का दूसरा इंटीग्रल फैक्ट्री कपूरथला (पंजाब) में है।
15. वर्ष 2002 में जन शताब्दी ट्रेन की शुरूआत हुई।
16. वर्ष 2004 में इंटरनेट के माध्यम से आरक्षण प्रारंभ हुआ।
17. वर्ष 2007 में देश भर में टेलीफोन नम्बर **139** द्वारा व्यापक सामान्य ट्रेन पूछताछ सेवा प्रारंभ की गई।
18. भारत में पहली मेट्रो रेल कोलकाता में 1984 ई0 में शुरू हुई थी। बाद में भारत की राजधानी 2002 में दिल्ली में भी शुरू की गई।
19. भारतीय रेलवे की पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन 3 फरवरी 1925 को लार्ड रीडिंग के काल में बम्बई विक्टोरिया टर्मिनस से कुर्ला बंदरगाह के बीच चलायी गई थी। मद्रास दूसरा शहर था जहां विद्युत रेलगाड़ी की शुरूआत 11 मई 1931 को हुई थी। स्वतंत्रता के समय भारत में केवल 388 किलोमीटर की विद्युत रेलमार्ग थी।
20. रेलवे का सबसे पुराना लोकोमोटिव इंजन 'फेयरी क्वीन' (1855) है। यह कोयला आधारित सबसे पुराना भाप इंजन है। इस इंजन का निर्माण ईस्ट इंडिया रेलवे के लिए 1855 में थॉम्पसन एवं हेरप्सन कंपनी ब्रिटेन ने किया था। पूर्व में इसे कुछ दिनों के लिए नेशनल रेल म्यूजियम, नई दिल्ली में रखा गया था लेकिन अब यह पर्यटकों के लिए महीने में एक बार दिल्ली से अलवर (राजस्थान) के लिए जाती है।

अप ट्रेन– जो ट्रेन अपने प्रधान मुख्यालय के तरफ जाती है उसे अप ट्रेन कहते हैं।

डाउन ट्रेन– जो ट्रेन अपने प्रधान मुख्यालय से लौटती है, उसे डाउन ट्रेन कहते हैं।

21. सन् 1961 में डीजल इंजन कारखाना (डी.एल.डब्लू.) वाराणसी में लगा।
22. भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम दुर्घटना 25 जनवरी,1869 को भोरघाट में हुआ था।
23. विश्व की पहली सबसे बड़ी रेल दुर्घटना– भारत के बिहार राज्य में बदला घाट और घमरा घाट स्टेशन के बीच एक ट्रेन को तूफान के कारण नदी में गिर जाने से 800 से ज्यादा लोगों की मौत जून 1981 में हुई थी।
24. भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम स्वचालित सिग्नल प्रणाली 1928 ई0 में मध्य रेलवे द्वारा शुरू की गई थी।
25. भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम वातानुकूलित रेलगाड़ी मुम्बई और बड़ौदा के बीच 1936 ई0 में शुरू की गई थी।
26. बर्मा (म्यांमार) को भारत से अलग होने पर 1937 ई0 में 3200 किमी. रेल मार्ग मिला जबकि पाकिस्तान को भारत से अलग होने पर 1947 ई0 में 11,200 किमी. लम्बा रेलमार्ग मिला।
27. चितरंजन लोकोमोटिव की स्थापना 26 जनवरी 1950 को हुई थी जिसके द्वारा 1950 में प्रथम भाप इंजन का निर्माण हुआ था जिसका नाम 'देशबन्धु' था।
28. चितरंजन लोकोमोटिव द्वारा 1961 में प्रथम विद्युत रेल 'लोकमान्य' का निर्माण हुआ।
29. भारत का पहला लोकोमोटिव इंजन कारखाना जमालपुर में 1893 ई0 में स्थापित किया गया था।
30. भारतीय रेलवे का सर्वप्रथम ब्रॉड गेज सुपर फास्ट ट्रेन नई दिल्ली–हावड़ा के बीच 'राजधानी एक्सप्रेस' के रूप में 1 मार्च 1969 को चलायी गयी थी।
31. भारतीय रेलवे का सर्वप्रथम मीटर गेज सुपर फास्ट ट्रेन दिल्ली–जयपुर के बीच 'पिंकसिटी एक्सप्रेस' के रूप में चलायी गयी थी।
32. भारतीय रेलवे की सर्वप्रथम महिला रेलवे ड्राइवर सुश्री सुरेखा शंकर यादव हैं। सुरेखा यादव, भारत की ही नहीं बल्कि एशिया की पहली महिला रेलचालक हैं।
33. भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम एकमात्र महिला डीजल ड्राइवर सुश्री मुमताज काथावाला थी, जो 1992 में सहायक डीजल ड्राइवर के पद पर मध्य रेलवे में नियुक्त हुईं।
34. भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम महिला स्पेशल ट्रेन 5 मई 1992 को पश्चिम रेलवे के चर्चगेट–बोरीबली रेलखण्ड में शुरू की गयी थी।

35. सबसे लम्बी यात्रा तय करने वाली रेलगाड़ी– डिब्रूगढ़ (असम) से कन्याकुमारी (तमिलनाडु) के बीच चलने वाली 'विवेक एक्सप्रेस' भारत में सबसे लम्बी दूरी (4286 किमी.) तय करने वाली एक्सप्रेस है। इसे इस दूरी को पूरा करने में 82.30 घंटा लगता है। यह 7 राज्यों से होकर गुजरती है। इसका प्रारंभ 10 नवम्बर, 2011 को हुआ था। हिमसागर एक्सप्रेस भारत की दूसरी सबसे लम्बी दूरी (3751 किमी.) तय करने वाली एक्सप्रेस है जो 71 घंटे 45 मिनट में यह दूरी तय करती है। यह 11 राज्यों से होकर गुजरती है। इसका प्रारंभ 3 अक्टूबर 1984 को हुआ था।

36. सबसे कम दूरी तय करने वाली एक्सप्रेस– कालका से शिमला के बीच चलने वाली शिवालीक एक्सप्रेस तथा अन्य तीन एक्सप्रेस गाड़ियां मात्र 96 किमी. की दूरी ही तय करती हैं।

37. सबसे तेज चलने वाली गाड़ी– गतिमान एक्सप्रेस भारत में सबसे तेज चलने वाली एक्सप्रेस है जो दिल्ली (हजरत निज़ामुद्दीन) से झाँसी के बीच 188 किमी. की दूरी 100 मिनट में तय करती है। इसकी अधिकतम गति 160 किमी. /घंटा (99 मील प्रति घंटा) है। यह 5 अप्रैल 2016 को शुरू किया गया।

38. सबसे धीमी चलने वाली रेलगाड़ी– नीलगिरी पर्वतीय रेलवे की मट्टुपालयम और उद्गमंडलम के बीच चलने वाली रेलगाड़ी 46 किमी. की दूरी 4 घंटे 50 मिनट में पूरा करती है। यानी की इसकी औसम गति 10 किमी. प्रति घंटा है।

39. देश की सबसे पुरानी रेलगाड़ी– मुम्बई–हावड़ा मेल को देश की सबसे पुरानी रेलगाड़ी माना जाता है। यह वर्ष 1875 में शुरू हुई थी।

40. भारत में निर्मित पहली भाप इंजन F-734 था जिसे 1895 में राजपूताना मालवा रेलवे के लिए अज़मेर वर्कशॉप में तैयार किया गया था। देश में 1972 तक भाप इंजन का निर्माण होते रहा।

भारतीय रेलवे का लक्ष्य–

- समय पालन
- स्वच्छता
- बेहतर यात्री सुविधाएं।

जंक्शन, टर्मिनस और सेंट्रल में क्या अंतर होता है?

जंक्शन– जंक्शन उस स्टेशन को कहते हैं जहां कम से कम तीन रेलमार्ग आपस में मिलते हैं। जैसे– पटना जंक्शन, मथुरा जंक्शन आदि।

टर्मिनस या टर्मिनल– टर्मिनस या टर्मिनल का अर्थ होता है अंतिम छोर यानी जहां से ट्रेन आगे नहीं जाती है। अर्थात् जिस दिशा से ट्रेन उस स्टेशन पर पहुँचती है, दूसरी जगह जाने के लिए उसे उसी दिशा में वापस लौटना पड़ता है। जैसे– छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (सीएसटी), लोकमान्य तिलक टर्मिनस आदि। इस तरह से भारत में कुल 27 टर्मिनस हैं।

सेंट्रल– सेंट्रल उस स्टेशन को कहा जाता है, जहां ट्रेनों का सबसे ज्यादा समागम होता है। इसके इर्द–गिर्द कई स्टेशन होते हैं। अधिकांशतः यह सबसे पुराना और सबसे व्यस्ततम स्टेशन होता है। भारत में पाँच सेन्ट्रल हैं– चेन्नई सेंट्रल, मुम्बई सेंट्रल, त्रिवेन्द्रम सेंट्रल, मैंगलोर सेंट्रल और कानपुर सेंट्रल।

ट्रेन में टॉयलेट बनाने की शुरूआत कैसे हुई?

1909 में ओखिल चंद्र सेवक नाम का एक व्यक्ति ट्रेन से यात्रा कर रहा था। उसे जोर से शौच लगी। अगले स्टेशन पर जब ट्रेन रूकी तो वह शौच के लिये उतर गया। वह शौच से निवृत ही हो रहा था कि ट्रेन के गार्ड ने सिटी बजा दी। ट्रेन जाते हुए देखकर व्यक्ति एक हाथ में लोटा और दूसरे हाथ में धोती पकड़कर दौड़ा, लेकिन धोती उलझने की वजह से प्लेटफॉर्म पर गिर पड़ा। उसकी धोती खुल गई। यह देखकर वहां मौजूद लोग हँसने लगे, जिसके चलते उसे शर्मिन्दा होना पड़ा। तब तक ट्रेन जा चुकी थी और वह आदमी पीछे छूट गया। इससे नाराज वह व्यक्ति उस वक्त के साहिबगंज रेलवे डिवीजन को पत्र लिखकर इसकी शिकायत की। माना जाता है कि इस शिकायत के बाद रेलवे ने कोच में टॉयलेट लगाना शुरू कर दिया। यह पत्र आज भी दिल्ली के नेशनल रेल म्यूजियम में रखा हुआ है।

क्या आप जानते हैं?

- **काकोरी हत्याकांड–** 9 अगस्त 1925 को क्रान्तिकारी पण्डित रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में लखनऊ जिले के काकोरी स्टेशन से छूटी 'आठ डाउन सहारनपुर–लखनऊ पैसेन्जर ट्रेन' को लूटा गया था।
- शाहरूख खान की फिल्म 'दिल से' (1998) का गाना 'चल छैयां–छैयां' की शूटिंग ऊटी की पहाड़ियों में चलती रेलगाड़ी पर हुई थी।
- **रेलवे स्टेशन को हिन्दी में क्या कहते हैं?**– लौह पथ गामिनी विराम बिन्दु

और अंत में–

रेल यात्रा के दौरान ध्यान दें–

1. कोई भी लावारिस, संदिग्ध या अनजान वस्तुओं को हाथ न लगायें। वह विस्फोटक भी हो सकता है। लावारिस, संदिग्ध वस्तुओं के बारे में रेलवे पुलिस या रेल कर्मचारी को तत्काल सूचना दें।
2. सवारी डिब्बों में पटाखे, ज्वलनशील पदार्थ, गैस सिलिंडर न ले जायें।
3. गाड़ी में बैठने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि कोई लावारिस सामान/पदार्थ सीट के नीचे या रैक पर रखा तो नहीं है।
4. सवारी डिब्बों में धूम्रपान न करें।
5. रेलवे प्लेटफॉर्म केवल ओवरब्रिज से ही पार करें।
6. रेलवे क्रासिंग पार करने के पहले रूकें। रेल की पटरियों पर दोनों तरफ देखें और आने वाली किसी भी ट्रेन की आवाज को सुनें। जब कोई ट्रेन न आ रही हो तभी पार करें।
7. अपरिचित लोगों से खाने–पीने की वस्तुएं न लें।
8. अपरिचित व्यक्तियों के सामान की जिम्मेवारी न लें।
9. सुरक्षित यात्रा के लिए सुझाव दिया जाता है कि रात के समय अपने कंपार्टमेंट की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें।
10. दलालों से टिकट कभी न खरीदें।

संदर्भ पुस्तके एवं सहयोग–

1. भारतीय रेल मंत्रालय का वार्षिकी 2018–2019
2. भारतीय रेल मंत्रालय का वार्षिकी 2015–2016
3. भारतीय रेल के वेबसाइट
4. रेलगाड़ियां एक दृष्टि में
5. विज्ञान प्रगति– अप्रैल 2008, सितम्बर 2009, जनवरी 2014 अंक, तथा अन्य अंक।
6. विमलेश चन्द्र, सहायक मंडल यांत्रिक इंजीनियर, अहमदाबाद

आपको यह अंक कैसा लगा? अपने सलाह और सुझाव दें–

शशिधर उज्ज्वल, शिक्षक
रा0 मध्य विद्यालय, सहसपुर
प्रखण्ड– बारूण, जिला– औरंगाबाद, राज्य– बिहार,
पिन– 824112
मोबाइल न0 – 7004859938
ई मेल– ujjawal.shashidhar007@gmail.com

टीचर्स ऑफ बिहार
वेबसाइट– www.teachersofbihar.org
मेल– teachersofbihar@gmail.com
मोबाइल न0 – 7250818080